Result Mitra Daily Magazine

मंगोलिया, भारत और कॉपर

➢ हालिया संदर्भ :

- भारत की 2 बडी कंपनियाँ अडानी एंटरप्राइजेस और आदित्य बिडला समूह के स्वामित्व वाली हिंडाल्को लिमिटेड तांबा समृद्ध मंगोलिया से कच्चा माल (तांबा) प्राप्त करने को इच्छुक हैं, लेकिन परिवहन व्यवस्था के कारण से चिंतित है।

➢ चिंता का कारण :

- मौजूदा व्यवस्था, जिसमें मंगोलियाई आपूर्तिकर्ता परिवहन एवं रसद (Logistic) के लिये जिम्मेदार है, दोनों देशों के बीच व्यापार-बाधा का कारण है।
- चीन में तियानजिंग एवं रूस का व्लादिवोस्तोक बंदरगाह भारतीय आयातकों के लिये मंगोलिया से तांबा प्राप्त करने का संभावित मार्ग हो सकता है।
- इस संदर्भ में व्यवस्था यह हो सकती है कि मंगोलियाई तांबा को रेल द्वारा तियानजिन तक पहुँचाया जाए या फिर रेल-सडक मार्ग से व्लादिवोस्तोक तक पहुँचाया जाए।
- विशेष तथ्य यह है कि मंगोलिया के प्रमुख तांबा खदानों से तियानजिन की दूरी लगभग 1000 km, जबकि व्लादिवोस्तोक की दूरी लगभग 4000 km है।

➢ भारत, मंगोलिया और तांबा :

- तांबा (कच्चा) परिष्कृत तांबे के लिये महत्वपूर्ण घटक है और भारत अपनी घरेलू खपत की पूर्ति के लिये 90% तक आयात करता है।
- अत्यधिक आयात का प्रमुख कारण सीमित घरेलू खनन क्षमता है।
- भारत अपनी आयात का लगभग संपूर्ण भाग ऑस्ट्रेलिया, चिली और इंडोनेशिया से प्राप्त करता है।
- ICRA के अनुसार 2024-25 में भारत में तांबे की मांग में 11% तक बढ सकती है।
- व्यापक औद्योगिक उपयोगिता को देखते हुए तांबे को आर्थिक गतिविधि का पैमाना कहा जाता है।
- परिष्कृत तांबा व्हायरिंग एवं मोटर, विद्युत उपकरण एवं उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का महत्वपूर्ण घटक है।
- इसके अलावा इसका प्रयोग इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी एवं पवन टर्बाइन में भी किया जाता है।
- मंगोलिया ने 2022 में 2.7 बिलियन डॉलर मूल्य के तांबा का निर्यात किया और यह 2022 में 10वां सबसे बडा निर्यातक (तांबा का) था।
- मंगोलिया का अधिकांश निर्यात चीन को किया जाता है।
- मंगोलिया में तांबे का खनन दो प्रमुख उत्पादकों द्वारा किया जाता है, जिससे ओयू टोलगार्ड और एर्डेनेट माइनिंग कॉरपोरेशन शामिल है।
- इसमें से एर्डेनेट माइनिंग सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी है।

➢ भारत में आयात :

- भारत तांबे का एक प्रमुख उत्पादक है।
- 2023-24 में भारत का कुल आयात 25951 करोड रूपए का रहा, जबकि 2024-25 की पहली तिमाही (जून तक) में आयात 6788 रूपए का रहा।

➢ तांबा का शीर्ष/उत्पादक :

- चिली
- पेरू
- चीन
- कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य
- USA
- अन्य देश रूस, ऑस्ट्रेलिया, मैक्सिको, जाम्बिया, इंडोनेशिया एवं मंगोलिया है।

Result Mitra

➢ तांबा का शीर्ष निर्यातक :

- चिली
- जर्मनी
- जापान
- USA
- चीन
- अन्य देशों में दक्षिण कोरिया, कनाडा, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, चीनी ताइपे एवं मंगोलिया है।

➢ बढता निर्यात :

- 2022 में तांबे का कुल वैश्विक निर्यात 20 मिलियन मीट्रिक टन रहा, जबकि 2023 में यह बढकर 22 मिलियन मीट्रिक टन हो गया।
- तांबे के बढते निर्यात का प्रमुख कारण इलेक्ट्रिक वाहनों का लगातार बढता निर्माण है।
- चिली विश्व का सबसे बडा उत्पादक एवं निर्यातक रहा है।

➢ चिली का वर्चस्व :

- यह दुनिया के कुल उत्पादन का लगभग 24% उत्पादन करता है।
- चिली का चुकीकामता तांबे उत्पादन के लिये विश्व-प्रसिद्ध है, लेकिन चिली में तांबे के उत्पादन में इस खान का स्थान चौथा है।
- इस्कोनडिडा (Escondida) चिली के साथ-साथ विश्व का सबसे बडा तांबा-उत्पादक खान है, जहाँ से 2022 में 1 बिलियन टन तांबा का उत्पादन हुआ।
- कोलाहौसी (Collahausi) एवं एल टेनिनटे (El Teniente) चिली का क्रमशः दूसरा एवं तीसरा सबसे बडा तांबा उत्पादक खान है।

  Note :- दुनिया में उत्खनन मात्रा के मामले में चुकीकामता सबसे बडी खुली गड्ढे वाली तांबा की खदान है, हालांकि चिली यहाँ सीमित उत्पादन/खनन कार्य करता है।

- यह विंघम कैन्यन खदान (अमेरिका) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे गहरी तांबा खान भी है।

➢ मंगोलिया :

- पूर्व-मध्य एशिया का स्थल अवरूद्ध देश,
- उत्तर में रूस एवं अन्य तीन भाग में चीन से घिरा हुआ,
- राजधानी और सबसे बडा शहर उलान-बाटोर, जहाँ 38% जनसंख्या निवास करती है।
- मंगोल साम्राज्य (चंगेज खाँ) के लिये प्रसिद्ध, जिसका वर्चस्व 13वीं शताब्दी में रहा।
- क्विंग (Quing) साम्राज्य से 29 दिसम्बर 1911 को स्वतंत्र होकर मंगोलिया का निर्माण,

Result Mitra TM

➢ भारत-मंगोलिया संबंध :

- 1955 में राजनयिक संबंध स्थापित,
- 2015 में PM मोदी द्वारा मंगोलिया की यात्रा, जो पहले भारतीय PM बने, जिन्होंने मंगोलिया की यात्रा की।
- बौद्ध धर्म की बहुलता के कारण बेहतर सांस्कृतिक संबंध,
- व्यापार-संतुलन भारत के पक्ष में रहा है।
- 2023-24 में भारत ने मंगोलिया से 8.5 करोड रूपये का आयात किया, जबकि 275 करोड रूपये का निर्यात किया।

TM
Result Mitra